नवभारत टाइम्स

19 Apr, 2007 | Updated at 1021hrs IST

चुनाव आयोग ने जीता लोगों का दिल

[Monday, April 16, 2007 12:24:17 pm]

पश्चिम उत्तर प्रदेश में द्वितीय चरण के चुनाव में चुनाव आयोग ने लाजवाब व्यवस्था कर मतदाताओं का दिल जीत लिया। हर जुबान पर चुनाव आयोग के लिए तारीफ के शब्द सुनने को मिले। द्वितीय चरण में 58 सीटों के लिए 881 प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में बंद हो गया। 1 करोड़ 64 लाख लोगों ने अपने मत का प्रयोग किया। औसतन 46 फीसदी वोट पड़े।

हर बार यूपी पुलिस की देख-रेख में चुनाव होता था। पुलिस सीमाएं सील कर देती थी। लोगों को आने-जाने नहीं देती थी। जरूरतमंद लोग अपने साधन से जाने की कोशिश भी करते थे, लेकिन पुलिस उनके वाहन को जब्त कर लेती थी। इस बार चुनाव आयोग ने बहुत अच्छी व्यवस्था की, जिससे आने-जाने वालों को कोई परेशानी नहीं हुई। बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान थे। उनका व्यवहार मतदाताओं के साथ बहुत अच्छा रहा। कोई बीमार बूढ़ा आ गया, तो लाइन में खड़े करने के बजाय कुर्सी देकर बैठा देना, जल्दी वोट डलवा देना, यदि किसी मतदाता के साथ बच्चा आ गया तो उसके साथ हाइ-हैलो करना, उसका नाम और स्कूल पूछना। कुल मिलाकर उनका व्यवहार ऐसा था कि वे लोगों के दिलों को जीत गए। इसका श्रेय लोग चुनाव आयोग को देते हैं।

चुनाव की घोषणा परीक्षाओं के माहौल में हो गई थी। लोगों को आशंका थी कि चुनावी शोर में छात्र परेशान हो जाएंगे, लेकिन आयोग ने ऐसी व्यवस्था की कि परीक्षार्थियों को चुनावी शोर का सामना नहीं करना पड़ा। इसका श्रेय भी लोग चुनाव आयोग को दे रहे हैं।